दिनांकः-३१.०७.
२०१८

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

आज दिनांक ३१ जुलाई २०१८ को नवनिध सभागार में विद्यार्थी परिषद् के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य रूप से शहीद हेमू कालानी ऐज्यूकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, सचिव श्री ए.सी.साधवानी जी, सयुक्त सचिव श्री के.एल.रामनानी, प्रबंधन समिति के सदस्य श्री भगवानदास बाबानी, मैनेजमेंट इंचार्ज श्री मनोहर वासवानी, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य श्री आर.के.जैन, उपप्राचार्या श्रीमती अमृता मोटवानी उपस्थित थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, माँ भारती एवं संत श्री हिरदाराम साहिब के श्री चरणों में दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छों से स्वागत करने के साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर शहीद हेमू कालानी ऐज्यूकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष एवं प्रेरणा स्त्रोत श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने अपने आशीर्वचन में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नवनिध रूपी जहाज का दायित्व अब ऐसे कप्तान के हाथ में है जो खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अकादमिक में भी विद्यालय को उच्च शिखर पर ले जाएगा। उन्होंने छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि घर पर बनी वस्तुओं का ही सेवन करें। जो खाना पसंद है, उसे बनाना सीखें तथा माँ की सहायता करे और स्वयं भी खाएँ और दूसरों को भी खिलाएँ। स्वस्थ रहने के लिए प्राकृतिक आहार ;फल, सब्जी, अंकुरित अनाजद्ध खाएँ क्योंकि पढ़ाई करने के लिए शरीर ही साधन है और नियमित दिनचर्या के द्वारा हमें इसे स्वस्थ रखना है। समय एवं ऊर्जा को नष्ट न करते हुए प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन अखबार पढ़ें, "वबपंस छमजूवतापदह" पजमे का उपयोग न करें। मन को आनंद से पूर्ण रखें। इसके लिए नियमित रूप से आरती कर ईश्वर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करें। तनाव को कम करने के लिए टी.वी. न देखे एवं रात को सोने से पूर्व एक अच्छी पुस्तक अवश्य पढ़े। ऐसा करने से अच्छी बाते हमारें अवचेतन मन में पहुँचेंगी एवं स्मरण शक्ति बढ़ेगी उन्होंने छात्राओं को फिजूल खर्च न करते हुए बचत करने की सलाह दी क्योंकि इससे जीवन में समृद्धि आएगी और हमारा मन सकारात्क ऊर्जा से भर जाएगा। सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने सभी को आशीर्वाद दिया।

इससे पूर्व विद्यालय के प्राचार्य श्री मनीष जैन जी ने अपने स्वागत भाषण में सभी माननीय सदस्यों को स्वागत करते हुए नवगठित छात्र परिषद की उद्घोषणा करते हुए, उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि नेतृत्व संभालने से हमारा उत्तरदायित्व बढ़ जाता है। छात्र परिषद एक मजबूत पुल की तरह है जो विद्यालय के विकास के लिए प्रबंधन समिति के साथ जुडकर उत्साह से कार्य करती है। उन्होंने विश्वास प्रकट किया कि नवीन छात्रपरिषद विद्यालय में अनुशासन का वातावरण विकसित कर अपना श्रेष्ठतम कार्य प्रदर्शित करने का पूर्ण प्रयत्न करेगी।

तत्पश्चात् विद्यार्थी परिषद की सदस्य छात्राओं को पदानुसार सैशे एवं बैच प्रदान किए गए। विद्यालय एवं सदनो के उत्तरदायित्वो के प्रतीक स्वरूप विद्यालय ध्वज एवं सदन ध्वजों को स्कूल कैप्टन और हाउस कैप्टनों को सौंपा गया।

सर्वप्रथम श्री के.एल.रामनानी जी ने विद्यार्थी परिषद की सदस्य छात्राओं को विद्यालय के प्रति कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों के प्रति समर्पण की शपथ दिलाई। उन्होंने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि हमेशा स्वयं के साथ विद्यालय एवं अपने सहपाठियों की उन्नति के लिए कार्य करें। जो शपथ ली है, उसका सत्यता से पालन करें। उत्तरदायित्व का वहन करते हुए अपनी विनम्रता बनाएँ रखें। दूसरों की कमियों को न देखकर उनके अच्छे गुणों को देखें। जलती हुई मोमबत्ती का उदाहरण देकर उन्होंने कहा कि सच्चा नेता वही है, जो स्वयं कष्ट उठाकर, दूसरों को सहयोग प्रदान कर, सफलता प्राप्त करें और जीवन में आगे बढ़े। सभी के सकारात्मक गुणों को देखकर अपने अन्दर की योग्यता को परिष्कृत करें।

शहीद हेमू कालानी ऐज्यूकेशनल सोसायटी के सचिव श्री ए.सी.साधवानी जी ने छात्र परिषद को बधाई देते हुए कहा कि छात्र परिषद का भार ग्रहण करना एक जिम्मेदारी का कार्य है। जब हम किसी पद का उत्तरदायित्व लेते हैं, तो उसके साथ हमारे कर्तव्य अपने आप जुड़े जाते हैं। उन्होंने गर्व और अभिमान के बीच अंतर को बताते हुए कहा कि गर्व से अपनी जिम्मेदारी को वहन करते हुए अच्छे पवित्र संस्कारो को अपने अन्दर रोपित कर, श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी द्वारा बताए गए मार्ग का अनुसरण कर जीवन में अच्छे इंसान बने तथा देशभक्ति की भावना अपने अन्दर जागृत करें। इसके लिए उन्होंने कहा कि कार्य करते समय मूल तीन बातों के विषय मे हमेशा विचार करें - स्वच्छता बनाएँ रखे, पानी बचाएँ तथा पौष्टिक भोजन का सेवन करे। इन पवित्र संस्कारो को अपने अन्दर रोपित कर मानवीय मूल्यों से युक्त अच्छे नागरिक बनें।

प्रबंधन समिति के सदस्य श्री भगवानदास बाबानी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत प्रजातांत्रिक देश है। देश के प्रतिनिधि देश को अच्छे से चला सके इसके लिए आवश्यक है कि देश के नागरिक सुशिक्षित हो। विद्यालय में छात्रसंघ का गठन आवश्यक है क्योंकि इसके द्वारा हमें जिम्मेदारी वहन करने का मौका मिलता है, जो हमें जागरूक नागरिक बनाने में सहयोग प्रदान करता है।

विद्यालय की कप्तान कु. श्रद्धा वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें ऐसी सफलता के विषय में सोचना है जो हमें सकारात्मक आंतरिक खुशी दे। हम जो भी कार्य करें, वो पूर्णता के साथ करें। उसने कहा कि मैं स्वयं का उदाहरण देकर ही विद्यालय का नेतृत्व करूँगी और धनुर्धारी अर्जुन की तरह एकाग्र होकर, अपने सहपाठियों को सहयोग प्रदान कर, विद्यालय के विकास के लिए कार्य करूँगी।

मैनेजमेंट इंचार्ज श्री मनोहर वासवानी जी ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव में सभी धन्यवाद देते हुए तथा छात्र परिषद को बधाई देते हुए कहा कि छात्र जीवन बहुत ऊर्जा से भरा हुआ होता है। इस समय यदि सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य किया जाए, तो असंभव कार्य भी संभव हो सकता है। उन्होंने चयनित सभी छात्राओं पर विश्वास जताते हुए कहा कि निश्चित रूप से छात्र परिषद के प्रयासों द्वारा सत्र २०१८-१९ विद्यालय के लिए हर क्षेत्र में सर्वोत्तम होगा।

कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की शिक्षिका सुश्री दिप्ती बिसारिया द्वारा किया गया।